Class – 6th. **Subject -. Hindi.** **Topic - "निबंध लेखन"**

Do and Learn

2. हमारे आदर्श डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम

रूपरेखा– डॉ० ए०पी०जे० कलाम आदर्श रूप में, डॉ० कलाम का जन्म-स्थल, डॉ० कलाम का व्यक्तित्व।

किसी भी सामान्य जन में देश का प्रथम नागरिक बनने की क्षमता होती है। आज यह हमारा सौभाग्य है कि हम अपने देश के भावी कर्णधारों (बच्चों) को उनके आदर्श के रूप में डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम को अपनाने की सलाह दे सकते हैं।

हमारे महामहिम पूर्व राष्ट्रपति विश्व की महान विभूतियों में से एक हैं। डॉ० कलाम 'मिसाइल मैन' के नाम से देश-विदेश में लोकप्रिय हैं। डॉ० कलाम का जन्म 15 अक्तूबर, 1931 को तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम में हुआ था। डॉ० कलाम का बचपन अति साधारण और आर्थिक संकटों में बीता, किंतु अपनी लगन, परिश्रम और कर्मठता के बल पर उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की और 'एयरोनॉटिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। 1958 में देश के 'रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन' से जुड़े। 1963 में आपने भारत के पहले रॉकेट 'नाइक एमाचे' का प्रक्षेपण कर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। डॉ० कलाम को भारत रत्न, पद्म भूषण एवं और भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। जुलाई 2002 को ये भारत के सर्वोच्च पद पर बैठे।

सामान्य समुद्रतटीय ग्रामीण क्षेत्र से शिखर तक पहुँचने वाले डॉ० कलाम एक भावुक इंसान हैं। सरल मन, विद्यानुरागी, धर्म निरपेक्ष, प्रगतिवादी, शांत स्वभाव एवं सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के धनी डॉ० कलाम संपूर्ण मानवीय गुणों की खान हैं। ये कर्म में बहुत विश्वास रखते हैं।

वे आध्यात्मिक प्रवृत्ति के महापुरुष हैं। उन्हें बच्चों से विशेष लगाव है। वे चाहते हैं कि माता-पिता और अध्यापक बच्चों का भविष्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। तपस्वी की भाँति जीवन बिताने वाले कलाम अट्ठारह घंटे काम करते हुए भी वीणा बजाते हैं। उनकी कर्नाटक संगीत में विशेष रुचि है। भारत ही नहीं विश्वभर में वे अजातशत्रु हैं। उनका महान व्यक्तित्व आदर्श एवं प्रेरक है।